A–0292

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DVS-102

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

(वास्तुशास्त्र के विविध आयाम)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×26=52)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मानव जीवन में ज्योतिष की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
2. ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख स्कन्धों का परिचय दीजिए।
3. द्वारस्थापन मुहूर्त व उसके शुभाशुभ फल का निरूपण कीजिए।
4. शंकु से भूपरीक्षण विधि का वर्णन कीजिए।
5. शल्योद्धार शोधन किस प्रकार किया जाता है, उस विधि को लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तुशास्त्र में पिसण्डादि द्रव्यानयन के प्रकारों को लिखिए।
2. गृहारम्भ में नक्षत्र वार की प्रधानता को परिभाषित कीजिए।
3. भूमि परीक्षण विधि का वर्णन कीजिए।
4. राशि के अनुसार आय फल कथन को लिखिए।
5. आय साधन विधि को लिखिए।
6. अहिबल चक्र में नक्षत्र स्थापन विधि को लिखिए।
7. वास्तुपुरुष की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।
8. गृह की आयु साधन विधि को लिखिए।

****